केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 219 गुरूवार 6 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अवैध कालोनियों पर चला विकास प्राधिकरण का अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता के निर्देश पर बीडीए ने बड़ी कार्यवाही की है। बस्ती गणेशपुर मार्ग पर मूड़घाट के निकट बिना मानचित्र स्वीकृत कराये बनाई जा रही अवैध कालोनियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में विकास प्राधिकरण ने आदर्श प्राथमिक विद्यालय मूड़घाट के निकट राजेन्द्र अग्रवाल व अशफाक द्वारा लगभग 3000 वर्ग मीटर भूमि पर करायी जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया।

ध्वस्तीकरण कार्यवाही के दौरान पुलिस बल के अतिरिक्त कमलेन्द्र सिंह, मजिस्ट्रेट, प्र० अधिशाषी अभियंता हरिओम गुप्ता, अवर अभियंता रोहित पटेल, व प्राधिकरण कर्मचारी उपस्थित थे। उक्त कालोनी पर प्रशासन की नजर थी। सूत्रों की माने तो बीडीए द्वारा रोके जाने के बावजूद प्रापर्टी डीलर नही माने और प्लाटिंग करते गये। खबर ये भी है कि उक्त जमीन में कई लोगों ने अपना प्लाट खरीद रखा था। बीडीए की इस कार्यवाही से प्रापर्टी डीलरों में हड़कम्प मच गया है, वहीं जमीन खरीदकर मकान बनाने वालों का भारी नुकसान होने की उम्मीद है। पूरे मामले में बीडीए के अधिशाषी अभियन्ता हरिओम गुप्ता ने बताया की प्रापर्टी डीलर को 4 महीने पहले नोटिस काटी गई थी, लेकिन डीलर की ओर से न कोई सुधार किया गया और न ही नोटिस का जवाब दिया गया। ऐसे में बीडीए को अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाना पड़ा। उन्होने कहे अभी और भी कालोनियां निशाने पर हैं। अभियान चलाकर सभी को ध्वस्त किया जाना है।

सड़क सुरक्षा बेहतर करने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने आयुक्त सभागार में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए परियोजना निदेशक एनएचआई को निर्देशित किया कि ओवरस्पीड वाहनों को चिन्हित करने के लिए कैमरे लगवाये जाय। इसके साथ ही हाईवे पर मर्ज होने वाले रास्तों के समीप निर्धारित गति सीमा के चिन्होंकन बोर्ड तत्काल लगाये जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि बस्ती, हर्रैया राजमार्ग पर सड़को में जम्पिंग है, जिसे ठीक कराया जाय। दुर्घटना होने की स्थिति पर गैस कटर की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। इसके साथ ही फुटहिया व बड़ेबन पर हाईमास्क लाईट ठीक करा दिया जाय।

उन्होने परियोजना निदेशक एनएचआई को निर्देश दिया कि राजमार्गो के चौराहो पर नियमानुसार स्टाप लाईन, जेब्रा क्रासिंग तथा लेन मार्किंग स्थापित कराया जाय। इसके साथ ही स्थापित टोल प्लाजाओं से गुजरने वाले ओवर लोड वाहनों की सूची तैयार कर कार्यवाही करें। उन्होने परिवहन विभाग से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सप्ताह में दो बार पेट्रोलिंग अवश्य करें व सड़को पर खड़े बेतरतीब वाहनों पर कठोर कार्यवाही की जाय।

पुलिस उप महा निरीक्षक दिनेश कुमार पी. ने समिति के सदस्यों से कहा कि ओवरस्पीड करने वाले वाहन के वाहन स्वामियों पर कार्यवाही की जाय। एक ही स्थान पर बार–बार दुर्घटना होने पर उसके कारण को ज्ञात किया जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि रांग साइड ड्राईविंग करने, हाईवे पर गलत तरीके से खड़े वाहनों को चिन्हित कर कठोर कार्यवाही की जाय।

मुजफ्फरनगर का नाम बदलने की मांग

लखनऊ (आभा)। यूपी की योगी सरकार पूर्वांचल के कई जिलों का नाम बदल चुकी है। अब पश्चिमी यूपी के एक जिले का नाम बदल सकता है। इलाहाबाद का नाम प्रयागराज, फैजाबाद का नाम अयोध्या, मुगलसराय का नाम पंडित दीनदयाल नगर करने के बाद अब मुजफ्फरनगर का नाम बदलने की मांग विधान परिषद में बीजेपी एमएलसी और पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने की है। बेनीवाल ने मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मीनगर करने की मांग की है। बेनीवाल की मांग का समर्थन प्रदेश सरकार में सबसे कदावर मंत्री डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने भी कर दी है।

विधान परिषद में भाजपा एमएलसी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने महाभारतकालीन शुक्रतीर्थ एवं धार्मिक धरोहरों का हवाला देते हुए कहा कि मुजफ्फरनगर जनपद का नाम मुगल शासक मुजफ्फर अली के नाम से होना उचित नहीं है। हमारी परम्पराओं के प्रति सम्मान हेतु हमारी भूमिन्नगरों के नाम भी सभ्यता परंपरा के अनुरूप हों।

राहुल गांधी पर 200 रुपए का जुर्माना

लखनऊ (आभा)।कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लखनऊ की अदालत में एक बार फिर बुधवार को पेश नहीं हुए। इससे कोर्ट नाराज हो गया और उन पर 200 रुपए का जुर्माना लगाने के साथ ही अगली तारीख पर पेश होने का आदेश दिया। कोर्ट ने अगली सुनवाई पर भी नहीं पेश होने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। राहुल गांधी ने वीर सावरकर को लेकर बयान दिया था। इस बयान को समाज में वैमनस्यता फैलाने और घृणा फैलाने वाला बताते हुए राहुल गांधी के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की गई है। इसकी सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में हो रही है। अगली सुनवाई के लिए 14 मार्च की तारीख दी गई है।

कोर्ट में याचिका दायर करने वाले नृपेंद्र पांडेय के अनुसार राहुल गांधी ने 17 दिसंबर 2022 को महाराष्ट्र के अकोला में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर पर विवादित बयान दिया था।

बस्ती- डुमरियागंज मार्ग को फोर लेन कराने की मांग:राजन चौधरी ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विश्व ज्ञान क्रान्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन चौधरी ने मुख्यमंत्री को पत्र देकर बस्ती–डुमरियागंज मार्ग को फोर लेन किये जाने की मांग किया है।

भेजे पत्र में राजन चौधरी ने कहा है कि बस्ती– डुमरियागंज मार्ग काफी व्यस्त सड़क है और टू लेन होने के कारण आये दिन दुर्घटनायें होती रहती है। इस मार्ग पर अनेक लोगों ने हादसों में अपना परिवार खो दिया है। ऐसी स्थिति में मनौरी चौराहे से महुआर दुबौलिया चौराहे तक फोर लेन रोड अति आवश्यक है। उन्होंने मांग किया है कि व्यापक जनहित में तत्काल सड़क को फोर लेन कराया जाय।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिले भाजपा नेता सत्येन्द्र सिंह 'भोलू'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-पूर्वान्चलवासियों को विशेष सुविधा देने की मांग किया

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल वासियों को घर के साथ स्वास्थ्य, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में जमीनी धरातल पर कार्य किये जाने का आग्रह किया। सत्येन्द्र सिंह भोलू ने मुख्यमंत्री को बताया कि पूर्वान्चल से बड़ी संख्या में गरीब, मजदूर, छात्र, बेसहारा लोग दिल्ली आते हैं और झुग्गी झोपड़ी में रहने को बिवश है। ऐसे में उनको विशेष सुविधायें उपलब्ध करायी जाय।

भाजपा नेता सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' ने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उनके पत्र को गंभीरता से लेते हुये इस दिशा में प्रभावी कदम उठाये जाने का आश्वासन दिया है।

सोने के लेन देन के विवाद में मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली थाना क्षेत्र के रूधौली कस्बा निवासी विवेक कुमार सोनी पुत्र महेश कुमार सोनी ने पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड पत्र देकर सोने के आभूषण के लेन देन के विवाद मामले न्याय की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में विवेक कुमार सोनी ने कहा है कि गत 1 मार्च को वह अपने कस्बे के व्यवसाई दिनेश कुमार सोनी पुत्र शम्भूनाथ सोनी से व्यापारिक लेन देन में सोने का आभूषण लेने गया था। दिनेश कुमार सोनी ने उसे वापस देने से मना कर दिया। उसने इसकी शिकायत भाई प्रखर सोनी के माध्यम से रूधौली थाने पर लिखित शिकायत किया। पुलिसकर्मियों ने उसकी सुनवाई न कर उल्टे उसे ही दोषी ठहराने लगे। दारोगा चन्द्रभान राय और सिपाही धीरेन्द्र दूबे व वेद प्रकाश पाण्डेय ने भद्दी–भद्दी गालियां देकर उसे मारा पीटा और रात भर थाने में बिठाये रखा । सबेरे 10 बजे उसे छोड़ा गया। विपक्षी दिनेश चन्द्र सोनी से थाने पर सुलह के बाद बकाया आभूषण प्राप्त हो गया। 4 मार्च को उसने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रूधौली में अपना उपचार कराया। पुलिसिया उत्पीड़न और मार पीट से वह काफी दुःखी है। उसने दोषियों पुलिस कर्मियों के विरूद्ध न्यायसंगत कार्यवाही की मांग किया है।

विश्व हिन्दू महासंघ की सभी ब्लाक इकाई भंगः नये सिरे से होगा पुर्नगठन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर पर जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महासंघ की मजबूती और सांगठनिक विस्तार के उद्देश्य से सभी ब्लाकों की इकाई को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया। अति शीघ्र इसका गठन किया जायेगा।

बैठक को सम्बोधित करते हुये महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि विश्व हिन्दू महासंघ निरन्तर जनहित के सवालों को लेकर संघर्षरत है। निष्क्रिय सदस्यों और पदाधिकारियों पर पुर्न विचार कर नये सिरे से ब्लाक वार पुर्नगठन किया जायेगा। बैठक को चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' सौरभ तिवारी, विजय शंकर शुक्ल, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विन्द गोपाल त्रिपाठी, अजय मिश्र, डा. परशुराम साहनी आदि ने सम्बोधित करते हुये सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया।

बैठक में मुख्य रूप से राकेश सिंह, परमानन्द गुप्ता, बाबा जय प्रकाश दास, प्रदीप सोनी, महेश हिन्दुस्थानी, सतीश पाण्डेय, सचिन त्रिपाठी, अंकित सिंह, रूप नरायन गौड़, अमरदीप, संदीप कमलापुरी, अर्पण श्रीवास्तव, चन्द्रमणि पाठक 'शानू', प्रिया गुप्ता, कंचन विश्वकर्मा, राजेश विधायक, सौरभ चतुर्वेदी, नितिन, अजय सिंह, सन्तोष पाण्डेय, राजेश कसौधन, रामकिशन यादव, राजेश त्रिपाठी, सुभाष पाण्डेय, दुर्गेश कुमार, पारसनाथ गौड़, विजय चौधरी के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा के बाजारीकरण के विरोध में मेधा ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर पर जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महासंघ की मजबूती और सांगठनिक विस्तार के उद्देश्य से सभी ब्लाकों की इकाई को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया। अति शीघ्र इसका गठन किया जायेगा।

बैठक को सम्बोधित करते हुये महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि विश्व हिन्दू महासंघ निरन्तर जनहित के सवालों को लेकर संघर्षरत है। निष्क्रिय सदस्यों और पदाधिकारियों पर पुर्न विचार कर नये सिरे से ब्लाक वार पुर्नगठन किया जायेगा। बैठक को चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' सौरभ तिवारी, विजय शंकर शुक्ल, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विन्द गोपाल त्रिपाठी, अजय मिश्र, डा. परशुराम साहनी आदि ने सम्बोधित करते हुये सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया।

बैठक में मुख्य रूप से राकेश सिंह, परमानन्द गुप्ता, बाबा जय प्रकाश दास, प्रदीप सोनी, महेश हिन्दुस्थानी, सतीश पाण्डेय, सचिन त्रिपाठी, अंकित सिंह, रूप नरायन गौड़, अमरदीप, संदीप कमलापुरी, अर्पण श्रीवास्तव, चन्द्रमणि पाठक 'शानू', प्रिया गुप्ता, कंचन विश्वकर्मा, राजेश विधायक, सौरभ चतुर्वेदी, नितिन, अजय सिंह, सन्तोष पाण्डेय, राजेश कसौधन, रामकिशन यादव, राजेश त्रिपाठी, सुभाष पाण्डेय, दुर्गेश कुमार, पारसनाथ गौड़, विजय चौधरी के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

चाकू से हमला कर घायल कियाः पीड़ित ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के गुलौरा निवासी दलित लालचन्द पुत्र पियारे ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर चाकू से वार कर घायल करने, जान से मारे देने की धमकी देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्याय दिलाने की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में दलित लालचन्द ने कहा है कि गत 2 मार्च की शाम गांव के किशन पुत्र शिवकुमार ने विजय कुमार पुत्र राकेश पाण्डेय के मोबाइल पर जाति सूचक गाली देने के साथ ही धमकियां दी। जब लालचन्द ने गाली देने से मना किया तो किशन ने रंजिशन उस पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच बचाव करने आयी उसकी बेटी रोशनी को भी चाकू मार दिया। मामले की लिखित सूचना मुण्डेरवा थाने को दिया किन्तु पुलिस ने न तो मुकदमा पंजीकृत किया न ही चोटों का मुआयना ही कराया। लालचन्द ने दोषी किशन के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर चोटों का मुआयना कराने के साथ ही अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

स्वास्थ्य शिविर में 257 लोगों की एचआईवी स्क्रीनिंगः दिया बचाव की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी लखनऊ के निर्देशानुसार ग्रामीण विकास सेवा समिति द्वारा संचालित लिंक वर्कर स्कीम परियोजना के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन विकासखंड कप्तानगंज के ग्राम बेसौरा एवं विकासखंड गौर के ग्राम भीटा में किया गया। शिविर का शुभारम्भ श्रीमती प्रभावती ग्राम प्रधान बेसौरा एवं श्रीमती शीला ग्राम प्रधान ने किया। स्वास्थ्य शिविर में 257 लोगों की एच आई वी स्क्रीनिंग एवं यौन जनित रोगों से सम्बंधित परामर्श दिया गया और उनके उपचार किये गए।

शिविर के दौरान उच्च जोखिमपूर्ण व्यवहार करने वाले महिला एवं पुरुष,प्रवासी, ट्रक ड्राईवर,एवं उनकी पत्नियों सहित गर्भवती महिलाओं की टी. बी. मरीजो आदि की एच .आई .वी. कि जांच कि गयी इस दौरान लिंक वर्कर स्कीम के डी.आर.पी. मो. अशरफ जी द्वारा सरकारी योजनाओं एवं एच.आई.वी. एड्स एस.टी.आई. टी.वी. के बारे में जागरूक किया गया उन्होंने एच .आई.वी एड्स हेल्पलाइन न० 1097 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

शिविर के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौर के चिकित्सक डॉ.प्रदीप कुमार एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज के चिकित्सक डॉ पी.एन. चौधरी ने उपस्थित सभी लोगों को चिकित्सीय सलाह देते हुए एच.आई.वी. एड्स, एस.टी.आई. टी.वी. के बारे में बताया। एच.आई.वी. एवं एस.टी.आई. काउंसलर श्रीमती श्वेता,प्रज्ञा पाण्डेय,रेनू यादव,शाम्भवी सिंह एवं नीतू त्रिपाठी द्वारा किशोर एवं किशोरियों सहित प्रवासी, ट्रक ड्राईवर,एवं उनकी पत्नियों सहित गर्भवती महिलाओं की काउंसलिंग कि गयी एवं समय–समय पर एच आई वी कि जांच करने हेतु प्रेरित किया गया । शिविर को सफल बनाने में सानू गुप्ता,रमाकांत यादव, सुमन, गुड़िया,शुभेन्द्र पाठक,खुश्बू ,संतोष कुमार,राजकुमार ,बीना आदि ने योगदान दिया।

हाइवे पर सुरक्षित यातायात की मांगः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–दो टोल का दंश झेल रही है जनता, मिले समुचित सुविधा–सुदामा पाण्डेय

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने बुधवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर एन एच 27–28 लखनऊ – गोरखपुर सुगम सुरक्षित यातायात की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने की मांग किया।

ज्ञापन में चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने कहा है कि वर्तमान में जनपद में मानक विरुद्ध 40 किलोमीटर के अंदर दो टोल में से एक टोल प्लाजा चौकडी समाप्त करने हेतु हाईकोर्ट प्रयागराज में जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही है जिसमें 8 अगस्त 2023 को सचिव भूतल परिवहन मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण नई दिल्ली, परियोजना निदेशक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण गोरखपुर सहित जिलाधिकारी बस्ती को जवाब दाखिल करने हेतु नोटिस भी जारी हुआ था कतिपय कारणों से टोल को लेकर सुनवाई पूर्ण न होने के चलते दो टोल का दंश तो जनता झेल ही रही है साथ ही सड़क किनारे झाड़ियों कि साफ सफाई न होने पर्याप्त प्रकाश व सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था न होने के साथ साथ जगह जगह सर्विस रोड क्षतिग्रस्त है । मझौवा दूबे, बड़हरकला , महूघाट,मुरादीपुर, संसारीपुर, कप्तानगंज सहित जनपद में अधिकांश चौराहे अण्डरपास व ओवरब्रिज विहीन है जिससे न केवल लोगों को आवागमन में असुविधा होती है व दुर्घटना होती रहती है । मुरादीपुर चौराहे पर खुद सुदामा पाण्डेय का एक्सीडेंट हुआ था। इसमें भूतल परिवहन मंत्रालय ने प्रतिपूर्ति देने व अण्डरपास निर्माण का निर्देश भी दिया था किन्तु प्रतिपूर्ति तो दूर आज तक उक्त चौराहों पर अण्डरपास या ओवरब्रिज नहीं बना है जबकि हर्रैया कस्बे में तो तहसील परिसर से महूघाट तक फ्लाईओवर बनना नितांत आवश्यक है। लम्बे संघर्ष के बाद फुटहिया व राम–जानकी तिराहा छावनी में अण्डरपास तो बना किन्तु वर्तमान में कहीं भी निर्माण कार्य नहीं हो रहा है जिससे दो दो टोल देने के बाद भी जनता को यातायात में असुविधा हो रही है।

उन्होने मांग किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देशित कर जनहित में समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराया जाय वरना वे आर पार का संघर्ष करने को बाध्य होंगे।

कांग्रेस ने किया बोर्ड परीक्षा के दिन रेड क्रास सोसायटी का चुनाव न कराये जाने की मांगः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रेड क्रास सोसायटी के सदस्य एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने पार्टी नेताओं के साथ बुधवार को जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि आगामी 7 मार्च को बोर्ड परीक्षा के दिन रेड क्रास सोसायटी के चुनाव पर पुर्न विचार कर नयी तिथि घोषित किया जाय।

डीएम को सम्बोधित ज्ञापन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा है कि आगामी 7 मार्च को बोर्ड परीक्षा के दिन रेड क्रास सोसायटी का चुनाव राजकीय इण्टर कालेज के मल्टी परपिज सभागार में होना है। इसी दिन प्रातः 8.30 बजे से 11. 45 बजे तक कक्षा 10 और कक्षा 12 का बोर्ड परीक्षा होना निश्चित है। बोर्ड परीक्षा को देखते हुये परीक्षा स्थल के आस पास कोलाहल या अन्य कोई गतिविधि न होने पाये इस दिशा में धारा 163 के तहत प्रतिबन्ध लागू किये गये हैं। रेड क्रास सोसायटी का चुनाव परीक्षा स्थल के निकट ही दिन में 10 बजे से ही निर्धारित है जबकि परीक्षा 7 मार्च शुक्रवार को प्रातः 8.30 बजे से 11.45 बजे तक होना है।

ज्ञापन में कहा गया है कि रेड क्रास सोसायटी का चुनाव मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.एस. दूबे और चुनाव अधिकारी / उप जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह की देख रेख में होना निश्चित था किन्तु मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.एस. दूबे का स्थानान्तरण हो गया है और चुनाव अधिकारी / उप जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह प्रशिक्षण में मसूरी गये हुये हैं। ऐसी स्थिति में रेड क्रास सोसायटी का चुनाव सम्पन्न कराया जाना उचित न होगा। ऐसी स्थिति में नये सिरे से चुनाव कराये जाने हेतु कोई दूसरी तिथि घोषित किया जाय। इससे रेड क्रास के चुनाव में पारदर्शिता बनी रहेगी।

रेड क्रास चुनाव को लेकर ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से मो. रफीक अहमद, जयन्त चौधरी, डी. एन. शास्त्री, शौकत अली नन्हू, भृगुनाथ गुप्ता, अलीम अहमद, ओम प्रकाश पाण्डेय, करीम अहमद, लक्ष्मी यादव, पिन्टू मिश्रा के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 मार्च 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

नशे का मकड़जाल

पंजाब में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम पंजाब के साथ–साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा करने का सरकार दावा खोखला साबित न होकर सकारात्मक एवं प्रभावी परिणाम लाये, यह अपेक्षित है। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान उग्र, आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत की भांति कोरा दिखावा न साबित हो, यह देखना जरूरी है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र– गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। जरूरत है मान सरकार का नशा एवं नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिखे। ताकि नशे के जाल में फंसे युवाओं एवं आमजन को बचाया जा सके।

ड्रग्स उपभोग के मामले में पंजाब की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बन गई है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। इसमें शराब आदि का डाटा शामिल नहीं है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी। सरकार नशे को खत्म करने के बड़े–बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और देखने को मिलती है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट–स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार करने का कोई प्रभावी उपक्रम कर रहे हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं, पाकिस्तान के षडयंत्र हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय–समय पर लगाई है। अगर कोई पडोसी देश चाहे तो नशे के आतंक से देश को खत्म कर सकता है। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे सीमाओं की सुरक्षा होगी? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों है पंजाब सरकार?' सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स–फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है।

पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। पंजाब सरकार की ताजा सख्त कार्रवाई का संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी–ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

निजी अस्पतालों में मरीजों के शोषण का जिम्मेदार कौन?

– कमलेश पाण्डेय–

चिकित्सा पेशा या स्वास्थ्य व्यवसाय कोई सामान्य पेशा नहीं है, बल्कि यह व्यक्तिगत जीवन और जनस्वास्थ्य से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसमें थोड़ी–सी भी लापरवाही किसी के जीवन पर भारी पड़ सकती है। वहीं, अपना या अपने परिवार का इलाज करवाने के चक्कर में यदि कोई व्यक्ति या परिवार लूट–पिट जाए तो यह भी प्रशासनिक नजरिए से अनुचित है। और ऐसे ही जरूरतमंद लोगों के पक्ष में सरकार और समाजसेवी संस्थाओं दोनों को अवश्य खड़ा होना चाहिए।

यही वजह है कि जनस्वास्थ्य से जुड़े चिकित्सा पेशा या स्वास्थ्य व्यवसाय को सिर्फ कारोबारी लाभ के नजरिए से नहीं देखा जा सकता है, बल्कि यह एक सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्व से जुड़ा हुआ विषय (पेशा) है, जिसे जनसेवा की भावना से किया जाए तो सरकार और संस्था दोनों को यश मिलेगा। भारतीय सभ्यता व संस्कृति तो शुरू से ही श्सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाश की पक्षधर रही है। लेकिन देश में लागू नई आर्थिक नीतियों से उपजी नैतिक व कानूनी महामारी के दौर में जीवन का हर क्षेत्र प्रभावित हो रहा है।

दुर्भाग्य है कि चिकित्सा पेशा भी इससे वंचित नहीं है। चर्चा है कि महज आर्थिक लाभ के उद्देश्य से चिकित्सक महंगी जांच और अनावश्यक दवाइयां लिख रहे हैं। जानलेवा ऑपरेशन करने और अंगों के कारोबार तक से बाज नहीं आ रहे हैं। प्रशासनिक भ्रष्टाचार और न्यायिक जटिलताओं से ऐसे बहुत कम मामले हैं जो कोर्ट की दहलीज तक पहुंच पाते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य सरकारों से यह कहना कि वे प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के श्शोषणश को रोकने के लिए उचित नीतिगत फैसला लें, देर आयद दुरुस्त आयद जैसा है। जनहित के इस सवाल पर राज्य सरकारों को तुरंत एक्शन में आना चाहिए।

दरअसल, एक जनहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि प्राइवेट अस्पतालों और उनकी फार्मेसी में एमआरपी से ज्यादा कीमत वसूली जा रही है। लिहाजा, कोर्ट ने इन अस्पतालों पर खुद से प्रतिबंध लगाने से इनकार किया और कहा कि ये संविधान में राज्य सूची का विषय है, इसलिए राज्य सरकारें ही इस पर व्यापक दृष्टिकोण से विचार कर सकती है। वही उचित गाइडलाइंस बना सकती हैं। इसमें संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिससे न तो मरीजों और उनके परिजनों का शोषण हो और न ही प्राइवेट अस्पतालों के कामकाज पर बेवजह प्रतिबंध लगे।

बता दें कि यह जनहित याचिका सिद्धार्थ डालमिया (कानून के छात्र) ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि श्उनकी मां को पिछले साल कैंसर हुआ था और वह अब ठीक हो चुकी है। लेकिन उनके इलाज के दौरान प्राइवेट अस्पतालों में जबरन महंगी दवाएं खरीदनी पड़ीं। लिहाजा, इनकी गुहार है कि मरीजों और परिजनों को यह आजादी मिले कि वे अपनी पसंद की फार्मेसी से दवाएं, मेडिकल इक्विपमेंट आदि खरीद सकें। हालांकि, केंद्र ने कोर्ट में कहा है कि मरीजों पर विशेष फार्मेसी से दवाएं, मेडिकल इक्विपमेंट लेने की बाध्यता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। भले ही बढ़ती आबादी के कारण सरकार को प्राइवेट अस्पतालों की मदद लेनी पड़ी, लेकिन इसमें मरीजों का शोषण नहीं होना चाहिए। हालांकि, निजी हॉस्पिटल्स में जिस तरह से कैशलेस इलाज का प्रचलन बढ़ा है, इस धंधे में बड़ी–बड़ी निजी कैशलेस चिकित्सा बीमा कम्पनियां सामने आयी हैं, उन्होंने अस्पतालों के पैनल जारी किए हैं, उससे एक संगठित लूट और इसी चक्कर में मानव स्वास्थ्य, जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ बढ़ा है। निजी अस्पतालों में तो चुपके चुपके नई नई दवाइयों का परीक्षण तक मानव शरीर पर हो जाता और किसी को भनक तक नहीं लगती। कुछ निजी अस्पताल व उनके डॉक्टर तो रक्त और मानव अंगों के अवैध कारोबार तक में शामिल हैं। ऐसे आरोप अक्सर मीडिया में उछलते रहते हैं।

वहीं, जब से केंद्र सरकार गरीबों को आयुष्मान भारत कार्ड बनाने लगी है और 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देने लगी है, तब से नए नए घोटालों और अनैतिक करतबों की बाढ़ आ चुकी है। इन सबके दृष्टिगत सरकार भले ही एहतियाती कार्रवाई करती आई है, फिर भी निजी चिकित्सा सेवा प्रदाताओं में इन नियमों का खौंफ नहीं है। क्योंकि अक्सर चिकित्सक हड़ताल या दवा कारोबारी हड़ताल की धमकियां देकर हेल्थ सिंडिकेट से जुड़े लोग सरकार और प्रशासन को ब्लैकमेल कर लेते हैं। लेकिन सवाल फिर वही कि मानव स्वास्थ्य से खिलवाड़ कब तक।

मसलन, जिस तरह से सिजेरियन बेबी का प्रचलन समाज में बढ़ रहा है, उससे कामकाजी महिलाएं भी भरी जवानी में बर्बाद हो रही हैं। ऐसे ही कई अन्य अस्वास्थ्यकर प्रचलन समाज में बढ़े हैं। किंतु हमारा स्वास्थ्य प्रशासन जनहित के दृष्टि से उतना संवेदनशील नहीं बना है, जितना उसे होना चाहिए। अन्यथा मिलावटी खाद्य पदार्थ, मिलावटी दवाइयों की बिक्री की बात सामने नहीं आती। याचिकाकर्ता ने भी दिलचस्प घपले की ओर इशारा किया है, लिहाजा कोर्ट का निर्देश समयोचित है। राज्य सरकारें जितनी जल्दी जग जाएं, केंद्र सरकार भी यथोचित जांच एजेंसी बनाए, अन्यथा इस गोरखधंधे पर काबू पाना मुश्किल है। गंदा है पर धंधा है, वाला जुमला से चिकित्सा पेशा जितना दूर रहे, उतनी उसकी साख बची रहेगी।

संसदीय सीटों के परिसीमन का यक्ष प्रश्न

–प्रमोद जोशी–

केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से देश के राजनेताओं और विश्लेषकों के एक तबके ने दो–तीन बातों पर जोर देना शुरू कर दिया है। वे कहते हैं कि भारत में संविधान खतरे में है, लोकतंत्र विफल हो रहा है और यह भी कि लोकतंत्र का मतलब चुनाव जीतना भर नहीं होता। लोकतंत्र ही नहीं, संघवाद को भी खतरे में बताया जा रहा है। बीजेपी के हिंदू–राष्ट्रवाद की अतिशय केंद्रीय–सत्ता को लेकर भी उनकी आपत्तियां हैं।

इधर तमिलनाडु से हिंदी–साम्राज्यवाद को लेकर बहस फिर से शुरू हुई है, जिसमें संसदीय–सीटों के परिसीमन को लेकर आपत्तियां भी शामिल हैं। दक्षिण के नेताओं का तर्क है कि यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होगा, तब दक्षिण के राज्य नुकसान में रहेंगे, जबकि जनसंख्या–नियंत्रण में उनका योगदान उत्तर के राज्यों से बेहतर रहा है। उनका सुझाव है कि संसदीय परिसीमन में संघवाद के मूल्यों का अनुपालन होना चाहिए।

परिसीमन से जुड़े इन्हीं सवालों को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 5 मार्च को चेन्नई में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा– तमिलनाडु अपने अधिकारों के लिए बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर है। परिसीमन का खतरा दक्षिणी राज्यों पर डैमोक्लीज की तलवार की तरह मंडरा रहा है। मानव विकास सूचकांक में अग्रणी तमिलनाडु के सामने गंभीर खतरा खड़ा है।

उनका यह भी कहना है कि अभी तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन की प्रक्रिया से इनकी संख्या घटकर 31 रह जाने की संभावना है। बात सिर्फ संख्या में कमी की नहीं है, यह हमारे अधिकारों का मामला है। स्टालिन के इस बयान के फौरन बाद गृहमंत्री अमित शाह ने कहा परिसीमन के बाद दक्षिणी राज्यों को 'एक भी सीट' नहीं गंवानी पड़ेगी। उन्होंने तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों की लंबे समय से चली आ रही इस आशंका को दूर करने का प्रयास किया कि यदि नवीनतम जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया गया तो संसद में उनका प्रतिनिधित्व खत्म हो जाएगा।

हालांकि इन प्रश्नों पर विचार करने के लिए परिसीमन आयोग का गठन करना होगा, पर आज जो बातें हो रही हैं, वे कयासों और अटकलों पर आधारित हैं। संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या और प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में इसके विभाजन को फिर से समायोजित किया जाएगा। यह 'परिसीमन प्रक्रिया' संसद के एक अधिनियम के तहत गठित 'परिसीमन आयोग' द्वारा की जाती है।

इस तरह की कवायद 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के बाद की गई थी। इसमें इन सदनों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का निर्धारण भी शामिल है। वर्ष 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा में सीटों की संख्या 494, 522 और 543 तय की गई थी, जब जनसंख्या क्रमशः 36.1, 43.9 और 54.8 करोड़ थी। इसका मोटे तौर पर मतलब है कि प्रत्येक सीट पर औसतन क्रमशः 7.3, 8.4 और 10.1 लाख आबादी थी।

जनसंख्या–नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए 1971 की जनगणना के बाद से इसे स्थिर रखा गया है ताकि अधिक जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों में सीटों की संख्या अधिक न हो। यह कार्य 1976 में हुए 42वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से पहले वर्ष 2000 तक के लिए किया गया था। फिर 84वें संशोधन अधिनियम द्वारा 2026 तक बढ़ा दिया गया था। अभी जिस जनसंख्या के आधार पर सीटों की संख्या तय है, वह 1971 की जनगणना के अनुसार है। 2026 के बाद पहली जनगणना के आधार पर इस संख्या को फिर से समायोजित किया जाएगा। अभी लगता नहीं कि 2026 के पहले वह जनगणना हो भी पाएगी या नहीं, जिसे 2021 में होना था। यह देखते हुए कि विधायिका में महिलाओं का आरक्षण भी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा हुआ है, इसमें देरी दिक्कत पैदा करेगी।

राज्यों में भी जनसंख्या वृद्धि में समतुल्यता के लिए सीटों की संख्या को 1971 की जनगणना के अनुरूप फरीज कर दिया गया है। 84वें संविधान संशोधन ने प्रावधान किया था कि परिसीमन की कवायद साल 2026 के बाद पहली जनगणना पर आधारित होगी। बहरहाल, पहले इस बात पर विचार करना होगा कि परिसीमन की नई प्रक्रिया में केवल राज्य की जनसंख्या का आनुपातिक प्रतिनिधित्व होगा या नहीं। आनुपातिक संख्या पर नजर डालें, तो तमिलनाडु की यह चिंता जायज है। थोड़ी देर के लिए तमिलनाडु और अविभाजित बिहार की जनसंख्या की वृद्धि दरों (1971–2024) में अंतर देखा जा सकता है।

मतदाताओं की संख्या के जो नवीनतम अनुमानित आंकड़े उपलब्ध हैं, उनके अनुसार अविभाजित बिहार में 233 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि तमिलनाडु में 171 फीसदी। 1971 की जनगणना के आधार पर 1977 की लोकसभा में भारत के प्रत्येक सांसद ने औसतन 10.11 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व किया। इसी औसत को आज की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर रखेंगे, तो लोकसभा सदस्यों की संख्या करीब 1,400 हो जाएगी। ऐसी स्थिति में यूपी (उत्तराखंड सहित) की सीटें करीब तिगुनी हो जाएंगी, अर्थात 250 तक और बिहार (झारखंड सहित) में 169 हो जाएगी। तमिलनाडु की वर्तमान 39 से बढ़कर 76 और केरल में 20 से बढ़कर 36 होंगी। पर यह औसत अब काम नहीं करेगा। नए संसद भवन में लोकसभा की 888 सीटें हैं, इसलिए यह फॉर्मूला भी बदलेगा। यह औसत 15 लाख होगा या 20 लाख या कुछ और।

दक्षिणी राजनीति का तर्क है कि परिसीमन से राष्ट्रीय मंच पर उनकी आवाज और उपस्थिति कम होगी। उन्हें आर्थिक और सामाजिक–विकास का पुरस्कार मिलने के बजाय सजा मिलेगी। यह तर्क गलत नहीं है, पर देश के विकास में क्षेत्रीय असंतुलन के ऐतिहासिक कारणों को भी समझना होगा और भविष्य की संभावनाओं को भी देखना होगा। दक्षिण के राज्यों की लाभकारी भौगोलिक स्थिति को देखते हुए वहां पूंजी–निवेश बेहतर हुआ है। यह सारी पूंजी उसी इलाके में संचित नहीं थी, बाहर से भी आई है। आज भी इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े बंदरगाहों और राजमार्गों की परियोजनाओं पर पूंजी निवेश वहां की स्थिति के आधार पर हो रहा है। इन परियोजनाओं और उद्योगों में काम करने के लिए श्रम–शक्ति भी बाहर से आई। क्षेत्रीय सम्पन्नता ने इस इलाके में शिक्षा, सार्वजनिक–स्वास्थ्य और सामाजिक–जागरूकता को बढ़ाने में सहयोग किया है।

मोटा अनुमान है कि देश में करीब 14 करोड़ प्रवासी मजदूर काम करते हैं। कोविड–19 के दौरान हमने इन मजदूरों के परिवहन से जुड़ी समस्याओं को देखा था। इनमें सब लोग उत्तर से दक्षिण या पश्चिम में ही नहीं जाते हैं। दक्षिण से उत्तर आने वाले लोग भी हैं, जो अपनी योग्यता और कौशल के आधार पर बेहतर जीवन–यापन के लिए घर से बाहर निकलते हैं। आधुनिक औद्योगिक–तकनीकी विकास का एक महत्वपूर्ण कारक प्रवासन भी है। बेशक दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक और सांस्कृतिक चिंताओं को भी संबोधित किया जाना चाहिए, पर ऐसे समाधान तभी संभव है, जब हम तुच्छ राजनीति को अलग रखेंगे। यह राष्ट्रीय प्रश्न है, जिसका समाधान भी राष्ट्रीय ही होगा।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

संकट में ग्लेशियर और हिम स्खलन

–वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली–

हाल ही में उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा ग्राम के पास हुई हिमस्खलन की घटना में बीआरओ के मजदूर दब गए थे, जिनमें से कुछ को बचा लिया गया, लेकिन कई की जानें नहीं बच सकीं। दरअसल, हिमस्खलन की घटनाएं पूरी दुनिया में बढ़ रही हैं, जिससे अचानक बाढ़ें आ रही हैं और सड़कों पर वाहन सवार सैलानियों की मौतें हो रही हैं। फरवरी, 2021 में उत्तराखंड की नीती घाटी में हिमस्खलन के कारण ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदियों में बाढ़ आई, जिससे व्यापक तबाही हुई। इस घटना के चलते वैश्विक स्तर पर हिमस्खलनों और ग्लेशियरों के संकट को लेकर चर्चा शुरू हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि ग्लेशियरों के पिघलने की प्रक्रिया में मानवीय गतिविधियों का भी योगदान है, जिससे इन घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। ग्लेशियरों का पिघलना प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन मानवीय हस्तक्षेप जैसे जलविद्युत परियोजनाओं, निर्माण कार्यों और पर्यावरणीय असंतुलन ने इसे और बढ़ा दिया। इसलिये, हमें इन संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ से हिमालयी ग्लेशियरों का पिघलना दुगनी दर से बढ़ गया है। वे हर साल आधे मीटर की मोटाई खो रहे हैं और कुछ क्षेत्रों में पीछे भी खिसक रहे हैं। गढ़वाल हिमालय में पिछले चार दशकों में औसतन 18 मीटर प्रति वर्ष ग्लेशियर पीछे खिसक रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने की दर तापमान, बारिश, नमी, हवाओं की गति और सूर्य की किरणों के परावर्तन पर निर्भर करती है। पिघलते ग्लेशियरों से उत्पन्न जल से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी सदानीरा नदियों का अस्तित्व है, जो वर्षा के बिना भी बहती रहती हैं। यदि ग्लेशियरों का पिघलना जारी रहता है, तो इससे समुद्र स्तर 230 फुट तक बढ़ सकता है, जो वैश्विक जल संकट का कारण बन सकता है।

इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ से हिमालयी ग्लेशियरों का पिघलना दुगनी दर से बढ़ गया है। वे हर साल आधे मीटर की मोटाई खो रहे हैं और कुछ क्षेत्रों में पीछे भी खिसक रहे हैं। गढ़वाल हिमालय में पिछले चार दशकों में औसतन 18 मीटर प्रति वर्ष ग्लेशियर पीछे खिसक रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने की दर तापमान, बारिश, नमी, हवाओं की गति और सूर्य की किरणों के परावर्तन पर निर्भर करती है। पिघलते ग्लेशियरों से उत्पन्न जल से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी सदानीरा नदियों का अस्तित्व है, जो वर्षा के बिना भी बहती रहती हैं। यदि ग्लेशियरों का पिघलना जारी रहता है, तो इससे समुद्र स्तर 230 फुट तक बढ़ सकता है, जो वैश्विक जल संकट का कारण बन सकता है।

नदियों में पानी की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, गंगा और यमुना के स्रोतों, गंगोत्री और यमुनोत्री के ग्लेशियरों को नैनीताल उच्च न्यायालय ने 20 मार्च, 2017 को एक आदेश में न्यायिक जीवित मानव का दर्जा दिया। हालांकि ग्लेशियर स्वयं मौसमी बदलाव और बढ़ते तापमान से काल–कवलित हो रहे हैं, लेकिन इनकी सतह जब सूर्य की किरणों को परावर्तित करती है, तो वे वातावरण संतुलन में भी मदद करती हैं। छोटे ग्लेशियर्स औसतन 70 से 100 मीटर तक मोटे होते हैं, जबकि बड़े ग्लेशियर्स 1.5 किमी तक मोटे हो सकते हैं।

गतिक ग्लेशियर्स अपनी यात्रा के दौरान शिलाओं को तोड़ते हुए उन्हें उनके मूल स्थानों से दूर ले जाते हैं, जिससे हिमस्खलन के दौरान हिमखंडों के साथ बड़ी–बड़ी शिलाओं की भी बौछार होती है। जब ये हिमखंड और शिलाएं नदियों–नालों में गिरती हैं, तो कभी–कभी बहते पानी की राह रोक अस्थायी बांध बना देती हैं। इन बांधों के टूटने से अचानक बाढ़ों और तबाही का खतरा उत्पन्न हो सकता है। हिमस्खलनों के अतिरिक्त, बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियरों में उत्पन्न होती और फैलती ग्लेशियल झीलें सर्वाधिक चिंता का कारण बन रही हैं। जिनके टूटने पर भारी मात्रा में पानी बहकर ये अचानक बाढ़ों का कारण बनती है, जिसे ग्लेशियल आउटबर्स्ट फ्लड कहा जाता है। ग्लेशियर्स प्रायः पहाड़ी निर्जन क्षेत्रों में होते हैं। अगर हम आर्थिक लाभ या मनोरंजन के लिए उनके नजदीक न जायें, तो शायद उनके टूटने या ग्लेशियर झीलों के अनायास टूटने का प्रभाव बस्तियों और संरचनाओं पर उतना भयंकर न होता। हालांकि, आज नंदादेवी बायोस्फीयर जैसे संरक्षित क्षेत्रों में भी विभिन्न प्रोजेक्ट, जैसे जल विद्युत परियोजनाएं, स्कीइंग रिसॉर्ट्स और वेडिंग डेस्टिनेशन जैसी गतिविधियों को लेकर प्रवेश किया जा रहा है, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई है।

वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद, जीएसआई ने 2014–16 में एक विशेष अध्ययन किया, जिसमें उत्तराखंड में 486 ग्लेशियल झीलों की पहचान की गई, जिनमें से 13 अत्यधिक जोखिमपूर्ण हैं। इन झीलों में से 71 ऋषिगंगा और धौलीगंगा घाटियों के ऊपर स्थित हैं, जो भूकंप, बादल फटने या भूगर्भीय कारणों से विखंडित हो सकती हैं। मानवीय कारणों से अब ग्लेशियरों से हिमखंड टूटने की घटनाओं का जोखिम बढ़ गया है। यदि हिमखंडों के गिरने या बहने के रास्ते के भूभागों को कमजोर किया गया, तो फ्लैश फ्लड की संभावना बढ़ सकती है। ऐसे में, हमें ग्लेशियरों की अनदेखी करने की बजाय उनके संवेदनशील क्षेत्रों जैसे नंदादेवी बायोस्फीयर और गंगोत्री, केदारनाथ के आसपास के संरक्षित क्षेत्रों को पारिस्थितिकीय असंतुलन से बचाने की नीति अपनानी चाहिए। ग्लेशियरों के नीचे पहाड़ी दरारों में पानी जमना और बर्फ का पिघलना भी एक सतत प्रक्रिया है, जो पहाड़ों को कमजोर करती है। इस प्रकार, ग्लेशियर अपने नीचे की चट्टानों को कमजोर करके उनका क्षरण करता रहता है, जिससे और भी अधिक खतरे पैदा हो सकते हैं।

ग्लेशियरों के आधार के पहाड़ों में मशीनी कटान और विस्फोट स्थितियां और भी जोखिमपूर्ण बना सकते हैं। यदि घाटियां संकरी हैं या वहां मलबा जमा है, तो फ्लैश फ्लड आ सकता है। एक वैज्ञानिक के अनुसार, यह आपदा ग्लेशियरों से जुड़ी भी हो सकती है, लेकिन इसके लिए कई अन्य कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं, जैसे लैंड स्लाइड, ढलाव का टूटना, अत्यधिक तापमान आदि। ग्लेशियरों के लिए स्वस्थ पर्यावरण प्रदान करने की आवश्यकता है, ताकि वे अपने स्वास्थ्य को पुनः प्राप्त कर सकें।

डीएम-एसपी ने धर्मगुरुओं संग की बैठक, कहा- किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे

संवाददाता-गोण्डा। आने वाले त्योहारों की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने शाम 6बजे30 बजे सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक की। बैठक में होलिका दहन, होली, गुडफ्राइडे, जुमा-ए-अलविदा, चौत्र नवरात्रि, ईद-उल-फितर और श्री राम नवमी समेत रमजान माह के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा हुई।

इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक, सभी थानाध्यक्ष, सीओ, एसडीएम, धर्मगुरु और प्रमुख नागरिक मौजूद रहे। डीएम और एसपी ने धर्मगुरुओं से त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि धार्मिक भावनाएं भड़काने या दुष्प्रचार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। किसी भी तरह की समस्या होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने को कहा गया है। युवाओं को सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट न करने की हिदायत दी गई है, जिससे माहौल खराब हो सकता है। जिले में त्योहारों को लेकर लोगों में उत्साह है और बाजारों में खरीदारी का दौर शुरू हो गया है। डीएम और एसपी ने सभी थाना अध्यक्षों को यह भी निर्देश दिया है। कि माहौल बिगड़ने की कोशिश करने वाले लोगों को पहले ही चिन्हित करके उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी जाए। बैठक के दौरान डीएम और एसपी ने सभी धर्म गुरुओं को आश्वासन किया है। कि त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम रहेंगे किसी को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

किसान मेले में प्रगतिशील किसान सम्मानित

संवाददाता-गोण्डा। गोंडा के टाउन हॉल में कृषि विभाग द्वारा जनपद स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र ने किया। कार्यक्रम में केंद्रीय विदेश, पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री के प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्र भी मौजूद रहे। उप कृषि निदेशक प्रेम कुमार ठाकुर ने कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी।

इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक डॉ. डीके सिंह ने नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग पर प्रकाश डाला। जिला उद्यान अधिकारी डॉ रश्मि शर्मा ने उद्यान विभाग की योजनाओं से किसानों को अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र मनकापुर के वैज्ञानिक डॉ राम लखन सिंह यादव ने रबी फसलों की जानकारी दी। उनके सहयोगी डॉ हनुमान प्रसाद पांडे ने जायद फसलों की तैयारी के बारे में बताया।

कृषि विज्ञान केंद्र गोपाल ग्राम के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. चंद्रमणि त्रिपाठी ने कृषि विविधीकरण और जैविक कीट नियंत्रण पर चर्चा की। जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने गन्ने की वैज्ञानिक खेती की जानकारी साझा की।

डॉ शिव शंकर चौधरी ने फार्मर रजिस्ट्री और डिजिटल क्रॉप सर्वे के बारे में बताया। प्रगतिशील किसान ओम प्रकाश पांडे और रवि शंकर सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन जिला कृषि अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

युवक की हत्या करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पीट-पीटकर मार डाला था

संवाददाता-गोण्डा। जिले की देहात कोतवाली पुलिस ने पिपरी सागर गांव के रहने वाले 22 वर्षीय पवन कुमार तिवारी के खेत रखवाली के दौरान पिटाई करके हत्या करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गोंडा की देहात कोतवाली पुलिस ने पिपरी सागर गांव के रहने वाले 22 साल के पवन कुमार तिवारी की हत्या करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी भोला और भोलेनाथ, संजय उर्फ अभय तिवारी ने दो साथियों के साथ मिलकर 2 मार्च को देर शाम पवन तिवारी की खेत के रखवाली के दौरान जमकर पिटाई कर दी थी।

जिसको लेकर के परिजन घायल अवस्था में गोंडा मेडिकल कार्य ले गए थे। जहां लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया था लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई थी।

युवक की मौत होने के बाद परिजन दो बार सोनी गुमटी के पास शव को रखकर के रोड जाम करके आरोपियों की गिरफ्तारी की ओर से लेकर के धरना प्रदर्शन भी किए थे। जिसको लेकर के गोंडा पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देश पर देहात कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से लाठी और लोहे की रात बरामद हुई है जिससे लोगों ने पिटाई की थी और युवक की मौत हुई थी।

वहीं घटना को अंजाम देने वाले फरार दोनों अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर के भी देहात कोतवाली समेत कई थानों की पुलिस फोर्स लगाई गई है। वहीं पूरे मामले को लेकर के क्षेत्राधिकारी सदर आनंद राय ने बताया कि 2 मार्च को जमीनी विवाद को लेकर के लोगों में मारपीट हुई थी। जहां गंभीर रूप से पवन तिवारी नाम का युवक घायल हो गया था।

तत्काल उसे इलाज के लिए गोंडा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया था। रास्ते में ले जाते समय मौत हो गई है। पीड़ित परिजनों की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करके दो आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। अन्य कार्यवाही देहात कोतवाली पुलिस कर रही है।

नेपाली तस्कर के पास से 4 करोड़ की चरस बरामद

संवाददाता-बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा चेकपोस्ट पर पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने एक नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से करीब 4 करोड़ रुपए कीमत की चरस बरामद हुई है। मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी दद्दन सिंह और एसएसबी के निरीक्षक सतेंद्र कुमार सिंह ने अपनी टीम के साथ चेकपोस्ट पर निगरानी शुरू की। एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर जब तलाशी ली गई, तो उसके शरीर पर टेप से चिपकाई गई चरस मिली।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी के अनुसार, पकड़े गए तस्कर की पहचान नेपाल के रोल्पा जिले के रहने वाले गोरे घरती के रूप में हुई है। उसके पास से 9 किलो 900 ग्राम चरस बरामद की गई। तस्कर इस मादक पदार्थ को नेपाल से मलानी ले जा रहा था।

पुलिस ने मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

ससवा में अनियंत्रित बस की चपेट में आने से चार घायल, दो रेफर

संवाददाता-महराजगंज। सिसवा नगरपालिका के गांधीनगर वार्ड में बुधवार को अपराह्न सिसवा से कप्तानगंज जा रही अनियंत्रित बस की चपेट में आने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची कोठीभार पुलिस ने घायलों को सिसवा सीएचसी में भर्ती कराया। जहां दो की हालत गंभीर होते देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अपराह्न करीब बारह बजे गांधी नगर वार्ड स्थित टैक्सी स्टैंड से निजी बस सवारी लेकर कप्तानगंज के लिए निकली। लेकिन बस जैसे ही लगभग 50 कदम की दूरी पर पहुंची कि बस अनियंत्रित हो गई। बस में सवार सवारी जब तक कुछ समझते तब तक बस सड़क के दोनों तरफ लहराने लगी। किसी तरह बस में सवार यात्रियों के प्रयास से बस वनस्पति देवी के स्थान के पहले पुलिया से टकराकर रुक गई। लेकिन इस दौरान बस की चपेट में आने से निचलौल निवासी अनुज (5), नेटुरि निवासी हाजरा खातून (17), शबनम खातून (35) व सिसवा कस्बा गोपाल नगर निवासी ई रिक्शा चालक जब्बार (55) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर सिसवा चौकी प्रभारी उमाकांत सरोज मय फोर्स मौके पर पहुंच बस चालक को हिरासत में लेते हुए घायलों को सिसवा सीएचसी में भर्ती कराया। जहां हाजरा व अनुज की स्थिति गंभीर होते देख दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

उमाकांत सरोज, चौकी प्रभारी सिसवा ने कहा कि बस को कब्जे में लेते हुए चालक को भी हिरासत में ले लिया गया है। घायलों की हालत में सुधार है। तहरीर मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

संतो महंतों ने आकाश शरण को सियावर कुंज का महंत बनाया

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

अयोध्या। ऋण मोचन घाट स्थित सियावर कुंज के महंत बने युवा संत आकाश शरण। मंदिर के महंत मैथिली रमण शरण महाराज किस साकेत वास के बाद मंगलवार को अयोध्या के संतों महंतों ने सनातन वैष्णव परंपरा के अनुरूप श्री महाराज जी के शिष्य आकाश शरण को कंठी चद्दर देकर के तिलक लगाया और सियावर कुंज का महंत बना दिया। महंत बनने के उपरांत आकाश शरण ने बताया कि मंदिर की परंपरा जैसे पूर्वाचार्य महंत किया करते थे उसी के अनुरूप ठाकुर जी की सेवा और समय-समय पर उत्सव सवैया करता रहूंगा। वैष्णो सनातन परंपरा के अनुसार मंदिर की व्यवस्था को संचालित करने के लिए मंदिर में महंत नियुक्त किया जाता है और मैथिली रमण शरण महाराज की साकेत वास के बाद मंदिर को संचालित करने के लिए उत्सव सवैया भोग राज समय समय से ठाकुर जी को लगे इसके लिए अयोध्या के संतों ने परंपरा के अनुसार महंत नियुक्त किया। महंती समारोह में प्रमुख रूप से श्री लक्ष्मण किला पीठाधीश्वर महंत मैथिली रमण शरण, हनुमानगढ़ी के महंत बलराम दास, महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज, नया शीश महल के महंत रामलोचन शरण राजन बाबा, सीताकांत सदन मंदिर के महंत किशोरी शरण, हनुमत सदन के महंत अवध किशोर शरण, आदि सहित सैकड़ों संत-महंत एवं विशिष्ट जन मौजूद रहे।

6 पीड़ितों के ठगे गए 90 हजार रुपए कराये गये वापस

संवाददाता-गोण्डा। जिले की साइबर सेल ने ऑपरेशन साइबर कवच के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। साइबर सेल ने 6 पीड़ितों से ठगे गए 90,000 रुपए वापस करा दिए हैं। साइबर ठगों ने पीड़ितों को नौकरी दिलाने और दोगुना पैसा करने जैसे प्रलोभन देकर ठगी की थी। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल से मिलकर कार्रवाई की मांग की थी। ठगी के शिकार हुए लोगों में कोतवाली नगर के कैलाश सिंह से 80,000 रुपए की सबसे बड़ी ठगी हुई। बनवारिया के शुभम तिवारी से 2,800 रुपए, वजीरगंज के निजामुद्दीन से 4,900 रुपए और खोडारे के अब्दुल रहमान से 4,967 रुपए ठगे गए। कोतवाली नगर के राहुल सिंह से 2,927 रुपए और झंझरी ब्लॉक के दिवाकर प्रसाद शर्मा से 2,537 रुपए की धोखाधड़ी की गई। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने लोगों से साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। देरी करने पर पैसे वापस पाने की संभावना कम हो जाती है। पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे किसी अनजान कॉल पर अपनी बैंक डिटेल, ओटीपी, बायोमैट्रिक डेटा, पैन कार्ड या आधार कार्ड की जानकारी साझा न करें। फ्रॉड होने पर तुरंत बैंक, थाना की साइबर सेल और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

बहराइच महोत्सव की तैयारियां जोरों पर, तीन दिवसीय कार्यक्रम में होंगे रंगारंग आयोजन, खेल प्रतियोगिताएं और लकी ड्रा

संवाददाता-बहराइच। आगामी 8 मार्च से शुरू होने वाले बहराइच महोत्सव-2025 की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी मोनिका रानी और पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। महोत्सव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। इसमें सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन उपकरण और चिकित्सा सुविधाएं शामिल हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कैंप लगाया जाएगा। ऑनलाइन चिकित्सक और एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी।

तीन दिवसीय इस महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेल प्रतियोगिताएं होंगी। महोत्सव प्रांगण में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगेंगे। महिलाओं के लिए शॉपिंग स्टॉल और फूड जोन की व्यवस्था की जाएगी। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले लगाए जाएंगे।

विशेष आकर्षण के रूप में विकासखंडवार कूपनों के बॉक्स से लकी ड्रा निकाला जाएगा। इससे जनपद के सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सेक्टर और जोनल स्कीम के तहत अधिकारियों की तैनाती की जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी को मेलाधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा। महोत्सव में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए पार्किंग और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाया जाएगा। साथ ही बिजली, पानी, पंडाल, मंच और दर्शकों के बैठने की उचित व्यवस्था की जाएगी।

10 वाहन सीज, 3.20 लाख का चालान, दो बसों पर भी जुर्माना

संवाददाता-गोण्डा। परिवहन विभाग ने डीएम के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने 24 घंटे के अंदर 10 वाहनों को सीज कर 3.20 लाख रुपए का चालान किया। यात्रीकर अधिकारी शैलेंद्र तिवारी ने नियम विरुद्ध चल रही दो बसों का 11-11 हजार रुपए का चालान भी काटा। कार्रवाई में पांच टैक्सी गाड़ियों को सीज कर गोंडा नगर कोतवाली में रखा गया है। एक बस को कटरा बाजार थाने में बंद किया गया है।

ओवरलोडेड ट्रकों और दो डीसीएम को भी अलग-अलग थानों में रखा गया है। डीएम नेहा शर्मा ने बिना परमिट चल रही डबल डेकर बसों और अनधिकृत रूप से सवारियां भर रही टैक्सियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। यात्री कर अधिकारी शैलेंद्र तिवारी ने बताया कि विभाग रात में भी अभियान चलाकर मानक विरुद्ध चल रहे वाहनों पर कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन वाहनों से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बिना परमिट के चल रहे वाहनों के चलते आए दिन पूरे जिले में जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार तो इस जाम में एंबुलेंस भी फंस जाती है जिससे मरीजों को इलाज करवाने में भी काफी दिक्कतें होती है। जिसको लेकर के अब डीएम के आदेश पर पूरे जिले में यह अभियान चलाया जा रहा है।

प्राकट्योत्सव पर फूल बंगले में विराजे श्री जानकी जीवन सरकार

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

अयोध्या। प्रभु श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या के दर्शन भवन मंदिर के महंत डॉ ममता शास्त्री के संयोजन में ठाकुर जानकी जीवन के 17 वें प्राकट्योत्सव पर सांध्यकालीन में ठाकुर श्रीजानकी जीवन सरकार के साथ पूरा मंदिर परिसर को कोलकाता, हैदराबाद, देहरादून, वाराणसी अयोध्या आदि से मंगाए गए विदेशी सुगंधित पुष्पों से सजाया गया यह अनुपम छटा देख श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। महोत्सव के अंतिम दिन सुबह नर्मदेश्वर भगवान शिव का अभिषेक और श्री विश्वनाथ गौ सेवा दर्शन मंदिर में गौ माता का विशेष पूजन अर्चन एवं दिव्य आरती की गई। उसके उपरांत ठाकुर जी को 56 भोग निवेदित किया गया। जेवनार गायन के बाद अयोध्या के संतो महंतों को प्रसाद पवाया गया। मंदिर के महंत डॉक्टर ममता शास्त्री ने बताया कि ठाकुर जानकी जीवन सरकार का विग्रह रामानंदाचार्य के आगमन से गौरवान्वित है जिसका हमारे गुरुदेव भगवान पूर्व सांसद महंत विश्वनाथ दास शास्त्री ने नया रूप प्रदान किया।

8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

संवाददाता-बलरामपुर। बलरामपुर जिला न्यायालय में 8 मार्च 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश विमल प्रकाश आर्य ने यह जानकारी दी।

यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देश और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देश पर किया जा रहा है। लोक अदालत में कई तरह के मामलों का निपटारा होगा। इनमें दीवानी मामले, छोटे अपराध, मोटर दुर्घटना के केस, पारिवारिक विवाद और उत्तराधिकार से जुड़े मामले शामिल हैं।

इसके अलावा एनआई एक्ट, बिजली बिल विवाद, बैंक ऋण वसूली और राजस्व से जुड़े मामलों का भी निपटारा किया जाएगा। लोक अदालत का आयोजन बलरामपुर जिला न्यायालय के साथ-साथ उतरौला और तुलसीपुर की बाहरी न्यायालयों में भी होगा। अधिकतर मामलों का निपटारा सुलह-समझौते के जरिए किया जाएगा।

न्यायाधीश आर्य ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे 8 मार्च को सुबह 10:30 बजे अपने संबंधित न्यायालयों में उपस्थित हों। उन्होंने लोगों से राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया है।

श्रीराम के विराट रूप का दर्शन होता है विश्व विराटविजय राघव मंदिर में

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में विश्वविराट विजयराघव एकमात्र मंदिर है जहां प्रभु श्रीराम के विराट रूप के दर्शन होते हैं और इस मंदिर की स्थापना 2008 में महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास जी महाराज के संयोजन में किया गया था उस समय कई देशों के राजदूत अयोध्या में आए हुए थे। विश्व विराट विजय राघव भगवान के स्थापना के 17 वर्ष पूरे होने पर भगवान का पंचामृत से अभिषेक किया गया और नवीन वस्त्र पहना करके आरती पूजन कर संतो को प्रसाद पवाया गया। महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास महाराज के शिष्य

महामंडलेश्वर महावीर दास महाराज ने बताया कि भारत में भगवान श्री राम की जन्म स्थली पर विश्व विराट विजय राघव सरकार का एकमात्र मंदिर स्थापित है। उन्होंने बताया कि जब प्रभु श्री राम माता कौशल्या के घर प्रगट हुए और माता ने स्तुति की थी उसी विराट रूप का दर्शन मंदिर परिसर में होता है और इस रूप के दर्शन के बाद व्यक्ति जो भी इच्छाएं कामनाएं करता है वह पूर्ण होता है क्योंकि माता कौशल्या ने स्तुति में बालक रूप में भगवान को माना तो भगवान ने विराट रूप से बाल स्वरूप में आए और धरती पर मर्यादा की स्थापना की और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। इस अवसर पर मंदिर परिसर में आए सभी संतो महंतों का स्वागत किया गया सभी ने विश्व विराट विजय राघव सरकार के दर्शन पूजन किए। खड़ेश्वरी मन्दिर महन्त रामप्रकाश दास, महन्त मनमोहन दास, महन्त रामकुमार दास, स्वामी छविराम दास, नीरज शास्त्री, पार्षद पुजारी रमेश दास, भरत दास, पुजारी मामा दास, जयमंगल दास आदि संत-महंत व भक्तगण उपस्थित रहे।

गलत रिपोर्ट देने वाले अवरअभियंता को नोटिस, तीन दिन में मांगा जवाब

संवाददाता-गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने विकासखंड हलधरमऊ के ग्राम हड़ियागाड़ा में खड़ंजा निर्माण में अनियमितताओं पर कार्रवाई की है। डीएम ने लघु सिंचाई विभाग के अवर अभियंता को नोटिस जारी किया है। साथ ही एडीओ पंचायत से जवाब मांगा है। मामले की शुरुआत ग्रामीणों की शिकायत से हुई। नरेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने मंडलायुक्त को बताया कि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया। मंडलायुक्त कार्यालय ने 1 मार्च को यह मामला जिलाधिकारी को भेजा। डीएम ने तहसीलदार करनैलगंज से जांच कराई। 4 मार्च की जांच रिपोर्ट में निर्माण कार्य अधोमानक पाया गया। फोटोग्राफ भी मानकों के अनुरूप नहीं थे। इससे पहले 9 दिसंबर 2024 को अवर अभियंता मुकेश कुमार ने रिपोर्ट में कहा था कि खड़ंजा निर्माण संतोषजनक है। भुगतान भी सही तरीके से किया गया है। तहसीलदार की जांच में यह रिपोर्ट भ्रामक निकली। डीएम ने मामले की गहन जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई है। समिति को 10 मार्च तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। अवर अभियंता मुकेश कुमार को तीन दिन में जवाब देना होगा। जिलाधिकारी ने सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) राजेश वर्मा से भी तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने खंड विकास अधिकारी के स्थान पर खुद हस्ताक्षर कर उपायुक्त श्रम रोजगार को रिपोर्ट भेज दी थी, जिसमें कार्य को मानकों के अनुरूप बताया गया था।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय-श्रीमान रेजीडेन्ट मजिस्ट्रेट महोदय अयोध्या

वाद सं. 237 / 2024

सईदा बानो

बनाम

सलमुननिशा आदि

बनाम-1- सलमुन निशा पत्नी निजामुद्दीन 2- मो0 नसीम शाह 3- वसीम पुत्रगण शहाबुद्दीन 4- तकदीरुन पत्नी शहाबुद्दीन समस्त निवासीगण ग्राम- अकवारा परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला- अयोध्या

तारीख पेशी 19-03-2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 19 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय-श्रीमान अपर जिलाधिकारी प्रशासन महोदय अयोध्या

वाद सं. 37 / 92

धारा 30 यू.पी. राजस्व संहिता

भरत लाल आदि

बनाम

सरकार आदि

बनाम-1- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या 2- ग्रामसभा खिरौनी परगना मगलसी तहसील सोहावल जिला- अयोध्या द्वारा ग्राम प्रधान 3- राजितराम 4- झिनकू 5- जोखू पुत्रगण लक्ष्मी प्रसाद समस्त निवासीगण ग्राम खिरौनी परगना मगलसी तहसील सोहावल जिला- अयोध्या

तारीख पेशी 19-03-2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 19 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय-श्रीमान रेजीडेन्ट मजिस्ट्रेट महोदय अयोध्या

वाद सं. 4333 / 2024

शकुन्तला जायसवाल

बनाम

उम्मतुल निशा आदि

बनाम-1- उम्मतुल निशा पत्नी मो0 जिवराइल 2- गाफरुन निशा पत्नी मो0 इसराइल निवासीगण ग्राम- रानोपाली परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला- अयोध्या 3- सौरभ पुत्र जय प्रकाश जायसवाल 4- सूरज 5- चन्द्रभान पुत्र दयाराम निवासी ग्राम- मक्खापुर परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला- अयोध्या 6- नगर आयुक्त महोदय नगर निगम अयोध्या

तारीख पेशी 18-03-2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 18 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय-श्रीमान अपर जिलाधिकारी नगर महोदय अयोध्या

वाद सं. 1755 / 2024

शिल्पी श्रीवास्तव

बनाम

उमा प्रसाद पाण्डेय आदि

बनाम-1- उमा प्रसाद पाण्डेय 2- चन्द्र प्रताप पाण्डेय पुत्रगण स्वर्गीय ब्रम्हानन्द पाण्डेय 3- अरूण कुमार पाण्डेय पुत्र उमा प्रसाद पाण्डेय निवासीगण ग्राम- समैसा मजरे झानापुर परगना अमसिन तहसील सदर जिला- अयोध्या

तारीख पेशी 27-03-2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 27 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

माफिया का भाई बता फोन पर मांगी थी एक करोड़ की रंगदारी, 5 गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। बीते दिनों एक प्रार्पटी डीलर ने रंगदारी मांगे जाने को लेकर शाहपुर थाने में केस दर्ज कराया था। गोरखपुर क्राइम ब्रांच और पुलिस की संयुक्त टीम ने मामले में आरोपी सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

शाहपुर में 18 फरवरी को प्रार्पटी डीलर अंकुर शुक्ला को माफिया का भाई बनकर कॉल करके एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। इसके बाद 24 फरवरी को प्रार्पटी डीलर के दरवाजे पर खड़ी कार पर गालियां चलाकर आरोपियों ने दहशत फैलाई थी। सीसीटीवी कैमरे से पहचान कर पांच आरोपियों को शाहपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मनरेगा मजदूर संघ के अध्यक्ष गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। मनरेगा मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंबिका प्रसाद को पुलिस ने जेल भेज दिया है। उन्होंने बिना अनुमति के अनुरोध पदयात्रा निकाली थी। पुलिस ने उन्हें और उनके 33 सहयोगियों को मंगलवार की देर रात अयोध्या बॉर्डर से गिरफ्तार किया। सीओ सदर अजीत चौहान के अनुसार, संगठन ने 22 फरवरी को गोरखपुर के गोरखनाथ से पदयात्रा शुरू की थी। उन्होंने न तो स्थानीय पुलिस से अनुमति ली और न ही जानकारी दी। अयोध्या पुलिस ने उन्हें बॉर्डर पर रोका और कोतवाली पुलिस को सूचित किया। प्रशासन ने शांति भंग की आशंका के चलते अध्यक्ष को जेल भेज दिया। बाकी 33 साथियों को खलीलाबाद में छोड़ दिया गया। संगठन सात सूत्रीय मांगों को लेकर यह पदयात्रा निकाल रहा था। पदयात्रा का समापन 8 मार्च को कालीदास मार्ग, लखनऊ में होना था। जिला प्रभारी सोहन पांडे ने बताया कि वे शांतिपूर्ण तरीके से पदयात्रा कर रहे थे।

385 जोड़ों ने लिए फेरे, एक का हुआ निकाह

संवाददाता–अंबेडकरनगर। शहर के राजकीय हवाई पट्टी पर बुधवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर 385 जोड़ों ने एक दूजे का हाथ थाम कर अग्नि के सात फेरे लिए। वहीं एक मुस्लिम जोड़े का निकाह भी संपन्न कराया गया। डीएम अविनाश सिंह, सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला समेत तमाम अधिकारियों एवं भाजपा के पदाधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को पुष्प वर्षा कर आर्शीवचन व उपहार दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम, सीडीओ के साथ पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा मिथिलेश त्रिपाठी, रमाशंकर सिंह, जिलाध्यक्ष निषाद पार्टी संजय निषाद ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत इस वर्ष जिले को 1158 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य मिला था। बुधवार को कुल 413 जोड़ों का विवाह कराना प्रस्तावित किया गया था। इसके मुकाबले कुल 386 जोड़े ही पहुंचे। इनमें विकास खंड अकबरपुर के 140, टांडा के 134, बसखारी के 72, नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के नौ, इल्तिफातगंज के तीन, नगर पालिका टांडा के चार, अकबरपुर के चार जोड़े शामिल रहे। इस मौके पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशाल मंडप में जोड़ों ने विधि विधान से शादी की रस्म पूरी की। विवाहित जोड़ों को समाज कल्याण विभाग की ओर से बर्तन सेट, ट्रॉली बैग, कपड़े समेत अन्य सामग्री उपहार स्वरूप दी गई। इस मौके पर कलाकारों की ओर से बन्ना बन्नी व सोहर के गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इसी के साथ जिले को मिले लक्ष्य की पूर्ति हो गई है। विभाग ने लक्ष्य के मुकाबले 1190 जोड़ों का विवाह करा लिया है। इस मौके पर एसडीएम सौरभ शुक्ला, पीडी डीआरडीए अनिल कुमार सिंह, डीडीओ सुनील कुमार तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी विक्रम कौशल समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

शिविर में 300 विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का हुआ परीक्षण

संवाददाता–गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से सेवार्थ विद्यार्थी के तहत बुधवार को दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 300 से अधिक छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच कर चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

इस अवसर पर सेवार्थ विद्यार्थी के राष्ट्रीय संयोजक भवानी शंकर ने कहा कि अभाविप न केवल शैक्षिक और राष्ट्रवादी गतिविधियों में सक्रिय है, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एबीवीपी रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण अभियान, स्वच्छता अभियान, आपदा राहत कार्य, शिक्षा सहायता कार्यक्रम आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को समाज सेवा से जोड़ता है। ऐसे कार्यों से विद्यार्थियों में निस्स्वार्थ सेवा, संवेदनशीलता, नेतृत्व और सहयोग की भावना विकसित होती है।

अभाविप, गोरक्ष प्रांत के मंत्री मयंक राय ने कहा कि अभाविप का लक्ष्य है कि विद्यार्थी केवल अकादमिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी मजबूत बनें, ताकि वे आगे चलकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस मौके पर प्रशांत त्रिपाठी, डॉ. विवेक शाही, आलोक गुप्ता, राजवर्धन, डॉ. अर्चना सिंह, शुभम गोविंद राव, डॉ. जितेंद्र पांडेय, अभिषेक मौर्या व अनुराग मिश्र आदि मौजूद रहे।

समय खत्म, सतर्कता समिति के सामने नहीं पेश हुए हास्पिटल के संचालक

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले की एलआईयू टीम की रिपोर्ट पर शहर के विवेकानंद हॉस्पिटल पर सरकारी चिकित्सकों से उपचार कराने का मामला प्रकाश में आया था। इस पर जिला सतर्कता समिति ने जिला अस्पताल में तैनात तीन चिकित्सक के अलावा अस्पताल संचालक को नोटिस भेजी थी। नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के अंदर अस्पताल संचालक को प्रस्तुत होकर अपना सतर्कता समिति के सामने रखने के निर्देश था। लेकिन अब समय खत्म हो गया। हास्पिटल के संचालक सतर्कता समिति के सामने नहीं पेश हुए।

सरकारी चिकित्सकों के निजी अस्पतालों में प्रैक्टिस करने का मामला शासन प्रशासन के संज्ञान में लेने से सारा अमला अब हरकत में आ गया है। इस मामले को संज्ञान में लेकर उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि जिले में डीएम की अध्यक्षता में जिला सतर्कता निगरानी समिति का गठन किया जाय। इसमें डीएम के अलावा सीएमओ व एलआईयू विभाग शामिल रहेगा। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि यदि सरकारी चिकित्सक कही बाहर के अस्पतालों में प्रैक्टिस करते हुए मिले तो उनके ऊपर कड़ी विधिक कार्रवाई की जाए। जिले में यह समिति अब पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। इसी क्रम में एलआईयू टीम ने विवेकानंद अस्पताल पर जिला अस्पताल में तैनात एक फिजीशियन, एक बाल रोग विशेषज्ञ, एक बेहोशी के डॉक्टर के लगातार यहां पर प्रैक्टिस करने की पुष्टि की है।

बीते गुरुवार को सीएमओ ने इन कर्मियों को नोटिस भेज कर अपना पक्ष तीन दिन के भीतर रखने के निर्देश दिए थे।

सीएमओ डा. रामानुज कन्नौजिया ने बताया कि अस्पताल संचालक ने कुछ जवाब भेजा है लेकिन वह संतोषजनक नहीं है। पूरा मामला समिति के अध्यक्ष के सामने रखा जाएगा। जल्द ही कड़ी कार्रवाई होगी।

दो पालियों में 2139 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

संवाददाता–अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाएं बुधवार को जिले में 10 परीक्षा केंद्रों पर हुईं। दोनों पालियों में 2139 परीक्षार्थियों को शामिल होना था, लेकिन 1479 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 670 परीक्षार्थी परीक्षा देने नहीं आए। पहला पाली में पूर्व मध्यमा द्वितीय के साहित्य, नव्य व्याकरण और आयुर्वेद की परीक्षा हुई। इसमें 1000 के मुकाबले 603 विद्यार्थी उपस्थित और 397 गैर हाजिर रहे। उत्तर मध्यमा प्रथम की साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राच्य विज्ञान, प्राच्य वाणिज्य की परीक्षा में 725 की तुलना में 509 शामिल हुए। वहीं 216 परीक्षा देने नहीं आए। दूसरी पाली में उत्तर मध्यमा द्वितीय की साहित्य, प्राच्य विज्ञान और नव्य व्याकरण परीक्षा में 414 के मुकाबले 367 परीक्षा देने आए। 57 विद्यार्थी ऐसे थे, जिन्होंने परीक्षा परीक्षा छोड़ दी। डीआईओएस गिरीश कुमार सिंह ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के जरिए ऑनलाइन निगरानी भी की गई।

अवैध चिकन और मटन शॉप के दो दुकानें सील, फरार हुए मांस विक्रेता

संवाददाता–अयोध्या। शहर में अवैध रूप से चल रहीं चिकन और मटन शॉप पर बुधवार को जिला प्रशासन ने अपना हंटर चलाया। जिला प्रशासन को शिकायत मिल रही थी कि शहर में कुछ ऐसे लोग हैं जो बिना लाइसेंस के चिकन और मटन शॉप चला रहे हैं। यही नहीं मांस को काटकर उसकी गंदगी सड़क पर फैला रहे हैं। एसडीएम सदर विकास धर दुबे और सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने शहर के फतेहगंज क्षेत्र में छापा मारा। इस दौरान अवैध रूप से चल रही मटन और चिकन की दो दुकानों को सील कर दिया जबकि तीन दुकानदार दुकान बंद करके फरार हो गए। एसडीएम सदर विकास धर दुबे ने सभी को हिदायत दी कि जिनको भी चिकन और मटन शॉप चलाना है, वह खाद्य विभाग से लाइसेंस जरूर लें, तभी दुकान खोलें। फरार हुए दुकानदारों पर कार्रवाई के लिए पुलिस को निर्देश दिए गए हैं। वहीं, गंदगी फैलाने को लेकर नगर निगम के कर्मचारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वह यदि गंदगी देखें तो मांस बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें।

पत्नी–बॉयफ्रेंड पर पति की हत्या का आरोप, एससी–एसटी कोर्ट ने सीओ से मांगी केस डायरी

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में एक पति की कथित हत्या के मामले में नया मोड़ आया है। पुलिस ने जिसे सड़क दुर्घटना बताया था, वह अब हत्या का मामला बन गया है। एससी–एसटी कोर्ट ने इस मामले की जांच कर रहे सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह को केस डायरी के साथ तलब किया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने के मामले में कोर्ट ने पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर शैलेंद्र सिंह को केस डायरी के साथ अदालत में तलब किया है। यह आदेश मॉनिटरिंग ऑफ इन्वेस्टिगेशन की अर्जी पर विशेष न्यायाधीश एससी–एसटी एक्ट शिवानी जायसवाल की अदालत से हुआ।

अधिवक्ता मार्तंड प्रताप सिंह ने बताया कि मोहिनी निवासी गद्दोपुर थाना कैंट की शादी पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी सुरजीत के साथ हुई थी। आरोप है कि मुन्ना नाई निवासी जगदीशपुर थाना कैंट का शादी के पूर्व से ही मोहिनी के साथ अवैध संबंध था। मुन्ना नाई और मोहिनी को घटना के दो महीने पहले मृतक के पिता ने आपत्तिजनक अवस्था में पकड़ लिया था और उसे डांट फटकार कर भगा दिया था।

इसी रंजिश से 8 दिसंबर 2024 को जब सुरजीत बाइक से सामान लेने गया था तो उसकी मुन्ना नाई ने अपने अज्ञात साथियों के साथ हरिहर बदामी आईटीआई स्कूल के पास डंडे व धारदार हथियार से प्रहार करके हत्या कर दी। उसका पर्स, मोबाइल तथा मोटरसाइकिल की चाबी लूट ले गए थे। इसकी रिपोर्ट पुलिस ने नहीं दर्ज की। तब मृतक के पिता रामतेज ने कोर्ट में अर्जी दी।

कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज हुई। मामला एससी एसटी एक्ट से जुड़ा होने के नाते विवेचना सीओ सिटी कर रहे हैं। विवेचना पर आपत्ति होने के कारण वादी के अधिवक्ता ने कोर्ट में मॉनिटरिंग ऑफ इन्वेस्टिगेशन की अर्जी दी थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने सीओ सिटी को केस डायरी के साथ आज कोर्ट में तलब किया है।

पान गली में छापा, 50,000 का एक्सपायरी डेट का पान मसाला सीज

संवाददाता–अयोध्या। ईद और होली पर्व को लेकर जिला प्रशासन मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर सतर्क है। डीएम चंद्र विजय सिंह ने सभी एसडीएम के नेतृत्व में टीम का गठन किया है। इसके अलावा सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद सिंह भी अपनी टीम के साथ दुकानों पर छापा मार रहे हैं।

शहर में मटन और चिकन शॉप पर कार्रवाई के बाद सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह ने चौक के पान गली में पान मसाला के सबसे बड़े थोक व्यापारी राजेंद्र चौरसिया के प्रतिष्ठान पर छापा मारा। सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र ने बताया कि 50,000 रुपए के एक्सपायरी डेट का पान मसाला बरामद हुआ है। इसको सीज कर दिया गया है।

इसके साथ ही चौक क्षेत्र में ही जो लोग थोक व्यवसाय कर रहे हैं, उनको भी हिदायत दी गई है कि वह तुरंत अपना पंजीकरण करा लें नहीं तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने ईद और होली पर्व को लेकर नकली खोया व मिलावटी मिठाई की जांच के लिए टीम गठित की है, जो शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक में छापे मार रही है।

दिव्यांग सर्टिफिकेट के लिए डाक्टर ने मांगी 10 हजार रुपए, पीड़ितों ने सीएमओ से की शिकायत

संवाददाता–संतकबीरनगर। संयुक्त जिला चिकित्सालय में दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. मनोज सिंह पर 10 हजार रुपए की मांग का आरोप है।

धनघटा के शनिचरा बाजार निवासी सोनू कुमार ने बताया कि उनकी बहन जन्म से बोल और सुन नहीं सकती। अगस्त में ऑनलाइन आवेदन करने के बाद डॉक्टर ने उन्हें गोरखपुर से जांच कराने भेजा। जांच रिपोर्ट लेकर 20 अगस्त को जब वे डॉक्टर के पास पहुंचे, तो उन्होंने सर्टिफिकेट के लिए 10 हजार रुपए मांगे। पैसे देने में असमर्थता जताने पर उन्हें भगा दिया गया।

दूसरा मामला सौरहा सिंहोरवा गांव के चंद्रशेखर का है। उनके 24 वर्षीय भाई चंद्रमूल भी जन्म से बोल और सुन नहीं सकते। आठ महीने पहले आवेदन करने के बाद डॉक्टर ने उन्हें भी गोरखपुर से जांच कराने भेजा। जांच रिपोर्ट दिखाने पर डॉक्टर ने उनसे भी 10 हजार रुपए मांगे। पैसे न देने पर प्रमाण पत्र न बनाने की धमकी दी जा रही है।

दोनों पीड़ितों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामानुज कनौजिया से लिखित शिकायत की है। विभाग ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

सीएमओ डॉ. रामानुज कन्नौजिया ने बताया कि दिव्यांग बोर्ड में शामिल ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. मनोज सिंह पर रुपए मांगने का मामला संज्ञान में आया है। यह आरोप गंभीर है। डॉक्टर पर लगे आरोपों की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इनके ऊपर पहली बार नहीं, इसके पहले भी कई शिकायत आ चुकी है, दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने पुलिस लाइन में किया 2500 लीटर का वितरण, मंदिरों के सरोवर में भी डाला

संवाददाता–संतकबीरनगर। प्रयागराज महाकुंभ से उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर में फायर ब्रिगेड की गाड़ी से 2500 लीटर गंगाजल पहुंचा। पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता ने बुधवार को पुलिस लाइन परिसर में इसका वितरण किया। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए की गई है जो किसी कारण से महाकुंभ नहीं जा पाए। गंगाजल के वितरण के दौरान लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रत्येक परिवार को एक से दो लीटर गंगाजल दिया जा रहा है।

पुलिस प्रशासन ने बताया कि इस पवित्र जल को तामेश्वर नाथ धाम, समय माता मंदिर और बखिरा स्थित सरोवर में भी डाला जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सभी जनपदों में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से प्रयागराज से गंगाजल लाया जा रहा है। इससे सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति महाकुंभ के गंगा स्नान के लाभ से वंचित न रहे।

कपड़ा व्यापारी की संदिग्ध मौत:दुकान के अंदर फंदे पर लटका मिला शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। एक कपड़ा व्यापारी की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के गोला बाजार में स्थित कपड़े की दुकान में व्यापारी मुकेश गुप्ता का शव फंदे पर लटका मिला।

मुकेश गुप्ता अपनी दुकान के अंदर ही रहते थे। पिछले दो दिनों से दुकान का शटर बंद था। दुकान से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शटर खुलवाया तो अंदर मुकेश गुप्ता का शव खून से लथपथ हालत में फंदे पर लटका मिला।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजनों की हालत बेहद दयनीय है। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि रामदुलारे पुत्र गोवर्धन ने पुलिस को सूचना दी कि उसके बेटे मुकेश की रेडीमेड कपड़े की दुकान है, जहां दो दिनों से शटर बंद है जो खुला नहीं है, मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से शटर खुलवाया गया तो देखा मुकेश का शव फंदे से लटका मिला। शव को कब्जे में लेकर के पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर घटना की जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

प्रकीर्णवाद सं0–101/2023

अदालत– श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

भगेलू आदि
बनाम
रामअवध आदि

2/1 सुखराम पुत्र जगमोहन मृतक 3/1 श्रीमती रेशमा देवी पुत्री राम मिलन पत्नी नामालूम 4. रामचरन 5. शिवचरन पुत्रगण स्व0 राम मिलन समस्त निवासीगण पड़ेरिया तप्पा व पोस्ट बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–03–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 19 महीना 03 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 05 माह 03 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इस्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 402/2023

श्रीमती फूलमती–सायल

1. श्रीमती फूलमती पत्नी तपेसर ग्राम हरदिया बुजुर्ग तप्पा हवेली खास परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती पो0 आफिस–पुरानी बस्ती

तारीख पेशी 18–03–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरखास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 18–03–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।

सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चहुंमुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

नौकरी के नाम पर जालसाजी करने का आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। फर्जी नियुक्ति पत्र देकर जालसाजी करने व रुपये वापस मांगने पर धमकी देने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित पर 2022 में केस दर्ज किया गया था, तभी से वह फरार चल रहा था। बुधवार को आरोपित को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया।

पकड़े गए आरोपित की पहचान खोराबार निवासी अभिनेष निषाद के रूप में हुई।

जानकारी के मुताबिक, कैंट इलाके के प्रेमनगर कॉलोनी निवासी रूपेश कुमार ने खोराबार पुलिस को तहरीर देकर बताया कि अभिनेष निषाद ने मुझे विश्वास में लेकर गोरखपुर एम्स हास्पिटल में क्लर्क व इंडिगो एयर लाइन्स में ग्राउंड स्टाफ की नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी व कूटरचना करते हुए विभिन्न माध्यम से 16 लाख 82 हजार रुपया ले लिया था व फर्जी ज्वाइनिंग लेटर दिया था।

नौकरी न मिलने पर पैसा वापस मांगने पर वह जानमाल की धमकी भी दे रहा है। बच्चों के बीच हुए विवाद में चाकू मारने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भिजवाया। दिया। पुलिस ने आरोपित अनिमेष को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

रेलिंग तोड़ पुल पर लटका ट्रक, बड़ा हादसा टला

संवाददाता–संतकबीरनगर। मगहर स्थित हाईवे पर बुधवार की सुबह एक ट्रक अनियंत्रित होकर आमी नदी के पुल की रेलिंग तोड़ते हुए लटक गई, हालांकि ड्राइवर बाल–बाल बच गया, इसकी वजह से हाईवे परजाम लग गया, पुलिस ने दूसरे लेन से वाहनों को रवाना किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी जमशेद हसन खान पुत्र श्री मकबूल हसन खान ग्राम चौरवा पोस्ट– गनेशपुर थाना– वाल्टरगंज जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे पासपोर्ट में मेरी जन्म तिथि त्रुटिवश 04–04–2003 अंकित हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर 04–04–2005 कराया जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी भागवत प्रसाद बरनवाल पुत्र स्वर्गीय गंगा प्रसाद बरनवाल मंगल बाजार थाना– पुरानी बस्ती जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरी पुत्री वसुन्धरा बरनवाल के हाई स्कूल आई.सी.एस.सी. बोर्ड द्वारा निर्गत अंक पत्र में मेरा नाम BHAGWAT PRASAD BARANWAL के स्थान पर BHAGAWAT PRASAD BARANWAL हो गया है जो गलत है। उसे सुधार कर BHAGWAT PRASAD BARANWAL किया जाय।